

सामाजिक संस्थाएं: विवाह

विवाह रूपी संस्था किसी किसी रूप में विश्व के सभी समाजों में पायी जाती है। विवाह ही पीपल एवं नौदारी का आधार है। हिन्दुओं में विवाह संस्था का सामाजिक संरचना में एक विशिष्ट स्थान है।

विवाह का अर्थ—

विवाह का शाब्दिक अर्थ है, 'उद्ध' अर्थात् पक्षी को घर के घर ले जाना

लूसी मेयर के अनुसार—

"वह स्त्री-पुरुष का ऐसा योग है जिसमें स्त्री से जन्मा बच्चा माता-पिता की संतान वैध माना जाय"

डब्ल्यू. एच. आर. रिबर्स के अनुसार—

"जिन साधनों द्वारा मानव समाज में सम्बन्धों का नियमन करा है उसे विवाह ही समझा जा सकता है।"

वेस्टमार्क के अनुसार—

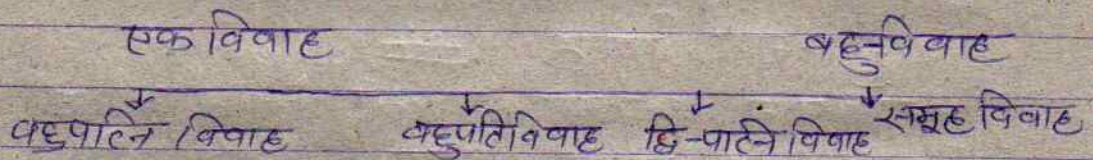
विवाह एक या अधिक पुरुषों को एक या अधिक स्त्रियों के साथ होने वाला वह सम्बन्ध है जिसे प्रथा या कानून स्वीकार करा है।"

वोगार्डल के अनुसार — "विवाह स्त्री-पुरुष के पारिवारिक जीवन में प्रवेश करने की एक सस्था है"

विवाह के प्रकार

मानव समाज के विकास के साथ-साथ विवाह के भी विभिन्न प्रकार अस्तित्व में आए हैं परन्तु पालि की संख्या आधार पर विवाह के प्रमुख प्रकारों को हम निम्न प्रकार रेखांकित कर सकते हैं।

विवाह के प्रकार



1. एक विवाह — उस विवाह को एक-विवाह

कहना चाहिए जिसमें न केवल एक पुरुष की एक पत्नी एक स्त्री का एक ही पति हो बल्कि दोनों में से किसी की मृत्यु हो जाने पर भी दूसरा पक्ष अन्य विवाह न करे.

एक विवाह के लाभ — एक विवाह से निर्मित पारिवारिक उपस्थिति अधिक स्थिर माना जाती

है।

बहु-विवाह — एक एकाधिक पुरुष अथवा स्त्रिया
विवाह व-धन में वधते हैं।

जैसे-विवाह को बहुविवाह कहते हैं।

बहु-पति विवाह —

इस कानून के अनुसार — "बहु पति विवाह एक
प्रकार का सम्बन्ध है।

जिसमें स्त्री के एक समूहमें एक से अधिक पति होते हैं
जिसमें लव भाई एक पति या पतिनयो का समूह
होकर उपभोग करते हैं।"

यह प्रथा लिबेरल में देहरादून के जौन लार
काय पागना दिहरी गढ़वाल तथा शिमला की
पहाडियों में

बहुपत्नी विवाह (Polygamy)

बहुविवाह एक रूप बहुपत्नी विवाह भी है
जिसके एक पुरुष एकाधिक स्त्रियों से
विवाह करता है। बहुपति विवाह का प्रचलन
वैदिक युग से वर्तमान समय तक प्रचलित है।
बहुपति प्रथा धनी शासक एवं आभिजात वर्ग
के लोगों में सामान्य थी बहुपति विवाह के
दो रूप पाये जाते हैं।

① सीमित एवं ② असीमित

समूह विवाह (Group marriage)

समूह विवाह में पुरुषों का एक समूह स्त्रियों के एक से विवाह करता है। और समूह का प्रत्येक पुरुष समूह की प्रत्येक स्त्री का पति होता है पतिव्रत और विवाह कि प्रारम्भिक अवस्था में यह स्थिति रही होगी यह प्रथा आस्ट्रेलिया की जनजातियों में पायी जाती है। एक कुल की सभी लड़कियाँ दूसरे कुल की सभी पत्नियाँ समझी जाती हैं। वेडा लोगों में बहुपतित्व एवं बहुपत्नीत्व का सम्मिश्रण देख रखा है। क्योंकि उ-होने बालिका वध की प्रथा लागू की है।

प्रसिद्ध विद्वान ग्रहॉउड ने 253 समाजों का अध्ययन करने पर पाया कि 193 समाजों में बहुविवाह का 43 समाजों में एक विवाह का और केवल एक समाज में बहुपति प्रथा तथा शेष अन्य विवाह प्रचलन प्रथा का प्रचलन था।